Lower Fee Higher Education with our Best Discipline

SPEED COMPUTER

Smart Class

DCA DTP Tally ADCA PGDCA DFA

HDCA HARDWARE & NETWORKING

TYPING HINDI & ENGLISH

किसी भी प्रकार के नोट्स टाईपिंग के लिए सम्पर्क करें।

E-mail- speedcomputer.v@gmail.com,

Mob- 06226295035,9973010239

Guided By- Virendra kr.

सुर्य मंदिर कैम्पस मथुरा हाई स्कूल रोड, सीतामढ़ी

कुंजी पटल (Key Board) के अभ्यासों को ध्यानपूर्वक बार-बार टाइप करना चाहिए जिससे कुंजी पटल (Key Board) भलीभाँति याद हो जाए. जब एक पंक्ति की सभी कुंजियाँ (Keys) विधिवत् याद हो जाएं, तो उनसे बनने वाले शब्दों को टाइप करने का अभ्यास करें. इसी प्रकार सभी पंक्तियों की सभी कुंजियों (Keys) को टाइप अभ्यास (Type Practice) करते-करते अच्छी तरह याद कर लें. इसके उपरान्त उनसे बनने वाले शब्दों को टाइप करने का उच्चारण सहित अभ्यास करें.

कुंजी पटल (Key Board) के अभ्यास के अतिरिक्त पत्रवाहक वापसी उत्तोलक (Carriage Return Lever), पीछे चालक (Back Spacer), नक्शावर छड़ (Tabulator), हाशिया छुड़ावक कुंजी (Margin Release Key) और कलबदल कुंजियाँ (Shift Keys) आदि का प्रयोग भी बिना देखे ही करने का अभ्यास करें.

अभ्यास 1

ॅ क ि ह ी	श य स ा र	ॅ क ि ह ी	श य स ा र
ॅ क ि ह ी	श य स ा र	ॅ क ि ह ी	श य स ा र
ॅ क ि ह ी	श य स ा र	ॅ क ि ह ी	श य स ा र
ॅ क ि ह ी	श य स ा र	ॅ क ि ह ी	श य स ा र
ॅ क ि ह ी	श य स ा र	ॅ क ि ह ी	श य स ा र
ॅ क ि ह ी	श य स ा र	ॅ क ि ह ी	श य स ा र
ॅ क ि ह ी	श य स ा र	ॅ क ि ह ी	श य स ा र

अभ्यास 2

कह	कस	सर	हर	कर	यह
किस	सिर	शीश	राह	हीरा	सारा
कार	काश	काक	ह्रास	हार	हीर
हीरा	यार	राह	काही	कोरा	होश
सारी	रिहा	राही	सारी	सही	कही
शकर	सोहर	शिकार	शिकारी	कहिस	कहिये
रहिये	रोकिये	सहाय	सारिका	सहारा	कहार

अभ्यास 3

ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र	ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र
ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र	ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र
ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र	ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र
ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र	ॅ व ट ळ ः	ट रू स ज्ञ श्र

ॆ व ट ळ ॅ	ठ रू स् ज्ञ श्र	ॆ व ट ळ ॅ	ठ रू स् ज्ञ श्र
ॆ व ट ळ ॅ	ठ रू स् ज्ञ श्र	ॆ व ट ळ ॅ	ठ रू स् ज्ञ श्र
ॆ व ट ळ ॅ	ठ रू स् ज्ञ श्र	ॆ व ट ळ ॅ	ठ रू स् ज्ञ श्र

अभ्यास 4

श्री	भी	थी	कै	रू	ळि
श्रेय	रथ	यथा	कथा	रथी	कोष
हाथ	ज्ञास	थाह	थारू	यज्ञ	रूस
कास्य	भाष्य	हास्य	स्याह	शस्य	रस्सी
श्रीसर	कक्का	कक्की	हुक्का	हथिया	किस्सा
स्याही	किस्से	रुकिये	भरिये	भोरहे	श्रेयस
ज्ञासक	कळेही	कळेशी	कळेह	किसके	करभर

अभ्यास 5

ृ म त ज ल	ख च व प न	ृ म त ज ल	ख च व प न
ृ म त ज ल	ख च व प न	ृ म त ज ल	ख च व प न
ृ म त ज ल	ख च व प न	ृ म त ज ल	ख च व प न
ृ म त ज ल	ख च व प न	ृ म त ज ल	ख च व प न
ृ म त ज ल	ख च व प न	ृ म त ज ल	ख च व प न
ृ म त ज ल	ख च व प न	ृ म त ज ल	ख च व प न
ृ म त ज ल	ख च व प न	ृ म त ज ल	ख च व प न

अभ्यास 6

मत	जल	चख	पच	वन	चना
चार	पान	मान	खान	नाम	पाप
चमन	जलन	खलन	चखत	मजाल	मजार
चपाती	नहाती	तीरथ	भरनी	करनी	खजाना
नमस्ते	भरपूर	जनमत	करतव	नमकीन	चमकीला
मलीनता	कमीनता	खलभली	नमकीना	महमल	चहकना
मनमाना	मनमानी	करामती	जलजीरा	मलमल	मामाजी

अभ्यास 7

ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्	ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्
ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्	ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्
ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्	ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्
ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्	ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्
ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्	ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्
ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्	ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्
ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्	ॅ म् त् ज् ल्	क्ष् च् ट ठ न्

अभ्यास 8

कक्षा	क्षमा	पक्षी	वत्स	मम्मी	कच्चा
लल्ला	मुल्ला	मेम्ना	मम्मी	चच्चा	जल्म
सत्य	म्यान	सत्या	वूलेन	वॉमन	शरीक
म्यायूँ	म्यानी	प्यास	प्यासी	प्यासी	प्लॉवर
पुख्ता	कैम्पस	पख्तून	पतलूम	सप्ताह	व्यवहार
व्यवहारी	साप्ताहिक	साहसिक	वामनजी	सैम्पूक	कैम्पलॉन
साहित्य	साहित्यिक	सामाजिक	कम्मलूम	हम्मीर	हम्मारिश

अभ्यास 9

् ग ब अ इ	ध ण ए उ द	् ग ब अ इ	ध ण ए उ द
् ग ब अ इ	ध ण ए उ द	् ग ब अ इ	ध ण ए उ द
् ग ब अ इ	ध ण ए उ द	् ग ब अ इ	ध ण ए उ द
् ग ब अ इ	ध ण ए उ द	् ग ब अ इ	ध ण ए उ द
् ग ब अ इ	ध ण ए उ द	् ग ब अ इ	ध ण ए उ द
् ग ब अ इ	ध ण ए उ द	् ग ब अ इ	ध ण ए उ द
् ग ब अ इ	ध ण ए उ द	् ग ब अ इ	ध ण ए उ द

अभ्यास 10

ग्रह	अब	ब्रज	धन	ध्रुव	अग्र
ध्यान	इकाई	उदय	मलय	ऐनक	उबल
ब्रोकेन	क्रॉकरी	एकाग्र	ग्रहण	उधर	इधर
एकग्रता	क्रमागत	उकसाना	अब तक	अधिकार	अध्याय

अधिभार	अध्यादेश	कब्रगाह	रामायण	नारायण	ध्यातव्य
अबरार	अजगर	बरगद	श्रवणीय	रमणीय	अनुकरण
अनुक्रम	उपक्रम	अम्बरीष	एकाएक	धनवान	धनहीन

अभ्यास 11

ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ	ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ
ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ	ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ
ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ	ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ
ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ	ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ
ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ	ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ
ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ	ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ
ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ	ʿ ग ह ट ठ	द झ ढ ड छ

अभ्यास 12

झरना	ठहाका	ठठेरा	राजेन्द्र	ठिकाना	ठहाका
गब्बर	ग्यारह	छब्बन	छप्पन	छहरना	झरझर
टमटम	टर्रटर्र	ठाटबाट	ढकोसला	ढक्कन	ढपोलशंख
रग्घूलाल	घमण्डी	घसियारा	घासीराम	घरबार	विघ्नबाधा
घटाटोप	गुरुघण्टाल	ग्वालटोली	ग्लानियुक्त	ग्यारह	ग्यानसागर
ग्यानचौकी	ग्यानज्योति	घनानन्द	घनचक्कर	घनाक्षरी	घनघमंड
दर्पयुक्त	झज्झराना	झण्डावाला	कण्डावाला	माण्डावाला	छिछालेदर

अभ्यास 13

ˏ1234	98765	ˏ1234	98765
ˏ1234	98765	ˏ1234	98765
ˏ1234	98765	ˏ1234	98765
ˏ1234	98765	ˏ1234	98765
ˏ1234	98765	ˏ1234	98765
ˏ1234	98765	ˏ1234	98765
ˏ1234	98765	ˏ1234	98765

अभ्यास 14

15	104	1,004	12,135	1,45,555
24	206	2,545	45,565	2,54,999
35	530	4,104	35,354	5,90,806
90	840	8,656	48,608	5,56,946
81	587	9,835	67,904	7,85,845
90	745	4,723	62,803	6,68,931
96	539	9,543	83,674	7,34,234

अभ्यास 15

ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —	ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —
ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —	ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —
ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —	ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —
ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —	ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —
ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —	ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —
ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —	ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —
ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —	ˎ × / : =	त्र द्ध ॽ ” —

अभ्यास 16

त्रेता	त्रुटि	त्रिक	त्राहि	त्रासा	त्रय
त्रासक	त्रियुगी	त्रिंबक	त्रिकुटी	त्रिपाठी	त्रिवेणी
त्रिभुवन	त्रिविक्रम	त्रैकालिक	त्रिदोषना	त्रिलोचना	त्रिपिताना
ट्रायल	राष्ट्रीय	राष्ट्रभक्ति	राष्ट्रीयता	ड्रामावाला	टेट्राऑक्साइड
कट्टर	गट्ठर	रद्दीवाला	चिह्नदार 226	ब्रह्माजी 225	गद्दीधर
श्रद्धालु	उद्धारकर्ता	उद्धारक	अर्द्धमास	गिद्धदृष्टि	सिद्धार्थजी
ऋषभ	ऋत्विज	ऋजुता	ऋणाण	ऋचाएँ	ऋग्वेद

अभ्यास 17

इस अभ्यास में धन चिह्न (+) तथा भाग चिह्न (÷) का प्रयोग होता है. इन चिह्नों की कुंजियाँ नहीं हैं. धन चिह्न (+) टाइप करने के लिए पहले योजक (–) टाइप करके फिर बैक स्पेसर से कैरिज एक स्पेस पीछे करके अंक 1 टाइप कर देते हैं, तो + बन जाता है. भाग चिह्न (÷) के लिए पहले विसर्ग (:) टंकित करते हैं, फिर कैरिज को एक स्पेस करके योजक (–) टाइप कर देते हैं, तो ÷ बन जाता है.

फ, ऊ बनाने के लिए पूरक कुंजी (ः) तथा ड़, ढ़ बनाने के लिए पूरक कुंजी (.) का प्रयोग करते हैं.

1 × 1 = 1	2 × 5 = 10	10 × 1 = 10	10 × 10 = 100
1 × 2 = 2	3 × 5 = 15	10 × 2 = 20	20 × 10 = 200
1 × 3 = 3	4 × 5 = 20	10 × 3 = 30	30 × 10 = 300
1 × 4 = 4	5 × 5 = 25	10 × 4 = 40	40 × 10 = 400
1 × 5 = 5	6 × 5 = 30	10 × 5 = 50	50 × 10 = 500
8 ÷ 2 = 4	8 ÷ 3 = 11	30 – 10 = 20	90 + 20 = 110
6 ÷ 3 = 2	6 ÷ 6 = 12	60 – 30 = 30	60 + 40 = 100

अभ्यास 18

द्योतक	द्योतन	द्योहरा	द्यापन	द्यावना	द्युतिमान
द्यूतक्रीड़ा	द्यूतवृत्ति	द्यूतकार	द्यूतकारक	मद्यपान	विद्यावती
औद्योगिक	अद्यावधि	विद्यासागर	द्वाराचार	द्वारावती	द्विजपति
द्विपक्षीय	द्विजोत्तम	द्विपार्श्विक	द्वैतवाद	द्वैवार्षिक	द्विधात्वीय
विशाखापत्तनम	डालमिलापुरम	तिरुचिरापल्ली	पल्लीमलायम	तुलुकापट्टी	तमिलनाडु
कोलम्बिया	बुल्गारिया	चेकोस्लोवाकिया	इण्डोनेशिया	आयरलैण्ड	फिलीपाइन्स
फिजियोलॉजी	एन्थोपोलॉजी	एस्ट्रोनोटिस्क	वैक्टीरियोलॉजी	साइरोजिनिक्स	जिरोन्टोलॉजी

अभ्यास 19

महाकवि कालिदास, भारवि, बाणभट्ट, वाल्मीकि, वात्स्यायन, एडवर्ड गिबन, आलीवर गोल्डस्मिथ, जॉन मिल्टन, अलेक्जेन्डर, सोल्जेनित्सिन, मुल्कराज आनन्द, स्वामी विवेकानन्द, शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय, कामता प्रसाद गुरु, धनवन्तरि, जेम्स चेडविक, हरगोविन्द खुराना, सी. वी. रमन, प्रोफेसर विलियम फाउलर, डॉ. राजा रामन्ना, डॉ. मेघनाथ साहा, सर आइजक न्यूटन, जोसेफ प्रीस्टले, सुब्रह्मण्यम चन्द्र शेखर, रवीन्द्रनाथ टैगोर, बाल गंगाधर तिलक, शहीद भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार बल्लभ भाई पटेल, महात्मा गांधी, डॉ. राम मनोहर लोहिया, पंडित जवाहरलाल नेहरू, गुलजारी लाल नन्दा, लालबहादुर शास्त्री, श्रीमती इन्दिरा गांधी, मोरारजी देसाई, चौधरी चरण सिंह, राजीव गांधी, विश्वनाथ प्रताप सिंह, चन्द्रशेखर, चौधरी अजीत सिंह, अजय सिंह, रामपूजन पटेल, राम विलास पासवान, शरद यादव, मधु दण्डवते, जार्ज फर्नांडीज, मुफ्ती मोहम्मद सईद, देवी लाल, चौधरी महाराज सिंह भारतीय, राम स्वरूप वर्मा, चिम्मन भाई पटेल, बेनी प्रसाद वर्मा, नारायण दत्त तिवारी, लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव, प्रफुल्ल कुमार महन्त, शान्ता कुमार, नरबहादुर भण्डारी, सुन्दर लाल पटवा, शरद् पवार, एम. चेन्ना रेड्डी, जनार्दन रेड्डी, रामकृष्ण हेगड़े, एस, आर, बोम्मई.

अभ्यास 20

1. "समाज की महान् आशा ऊँचे-ऊँचे दर्शनशास्त्रों पर नहीं, व्यक्तिगत चरित्र पर आधारित है." —**चैनिंग**

2. "काम में लग जाओ और तब तक लगे रहो, जब तक कि तुम्हें सफलता न मिले." —**स्वामी विवेकानन्द**

3. "सफल होने के लिए बहुत-सी बातों की जरूरत पड़ती है, परन्तु सफलता की सबसे बड़ी कुंजी कड़ा परिश्रम है." —**अज्ञात**

4. "अगर तुम एक समय में बहुत से काम करना चाहोगे, तो तुम किसी भी काम में पूर्ण सफलता नहीं प्राप्त कर सकोगे." —**जॉन्स नारमेन्ट**

5. "जैसे तिनका हवा का रुख बताता है, वैसे ही मामूली घटनाएँ भी मनुष्य के हृदय की वृत्ति को बताती हैं." —**महात्मा गांधी**

6. "वह आदमी वास्तव में बुद्धिमान है, जो क्रोध में भी गलत बात मुँह से नहीं निकालता है." —**शेखसादी**

7. "आवश्यकता चाहे कितना ही बाध्य करे, बुद्धिमान व्यक्ति इस बात का ध्यान रखेगा कि उसका आचरण सदैव स्वैच्छिक हो." —**मैकियावली**

8. "सब इच्छाएँ मन में ही उत्पन्न होती हैं, इसलिए श्रेष्ठ पुरुष वे हैं, जो मन पर काबू पा लेते हैं." —**एतरेय आरण्यक**

9. "वास्तविक महापुरुष तीन चिह्नों द्वारा जाना जाता है—योजना में उदारता, उसे पूरा करने में मानवता और सफलता में संयम." —**बिस्मार्क**

10. "निम्न श्रेणी के मनुष्य केवल धन की कामना करते हैं, मध्यम श्रेणी के मनुष्य धन और मान दोनों की कामना करते हैं. परन्तु श्रेष्ठ पुरुष केवल मान की ही कामना करते हैं. मान ही श्रेष्ठ पुरुषों का धन है." —**चाणक्य**

11. "अति क्रोध, कटुवाणी, दरिद्रता, स्वजनों से बैर और नीचों का संग—ये नरकवासियों के लक्षण हैं." —**चाणक्य**

12. "कोई नागरिक इतना धनवान न हो कि दूसरे को खरीद सके अथवा इतना निर्धन न हो कि उसे स्वयं को बिकने के लिए बाध्य होना पड़े." —**रूसो**

13. "नारी के बिना पुरुष की बाल्यावस्था असहाय है, युवावस्था सुख रहित है और वृद्धावस्था, सांत्वना देने वाला सच्चे और वफादार साथी से रहित है." —**डॉ. सैमुअल जॉनसन**

14. "निराशावादी सदैव बुराई ही देखता है, आशावादी सदैव पहले अच्छी बात देखता है. निराशावादी चिन्ता के मारे अधमरा हो जाता है, आशावादी प्रसन्न होकर अपनी व्यथा को दूर ही कर लेता है." —**स्वेट मार्डेन**

15. "यद्यपि मधुमक्खियाँ निर्बल होती हैं, तथापि वे सब मिलकर मधु निकलने वाले के प्राण तक ले लेती हैं, वैसे ही निर्बल पुरुष भी संगठित होकर बलवान शत्रु का नाश कर सकते हैं." —**महाभारत**

SPEED COMPUTER

अक्षर	न्यूमेरिक कीपैड–कोड	अक्षर	न्यूमेरिक कीपैड–कोड
ॅ	Alt + 0161	ड्ड	Alt + 0212
ख्र	Alt + 0163	इ	Alt + 0214
ॄ	Alt + 0164	क्र	Alt + 0216
ञ	Alt + 0165	ट्र	Alt + 0217
ो	Alt + 0168	•	Alt + 0219
ौ	Alt + 0169	॰	Alt + 0220
^	Alt + 0170	फ्र	Alt + 0221
ॖ	Alt + 0171	″	Alt + 0222
ॆ	Alt + 0177	″	Alt + 0223
ङ	Alt + 0179	ह्न	Alt + 0224
ञ	Alt + 0180	ह्य	Alt + 0225
प	Alt + 0182	हृ	Alt + 0226
ऽ	Alt + 0183	ह्म	Alt + 0227
ऱ	Alt + 0184	क्त	Alt + 0228
ह	Alt + 0186	द्र	Alt + 0230
÷	Alt + 0187	ε	Alt + 0232
(	Alt + 0188	त्र	Alt + 0233
)	Alt + 0189	ट्ट	Alt + 0234
ऊ	Alt + 0197	ट्ठ	Alt + 0235
िर्	Alt + 0198	ड्ढ	Alt + 0236
ि	Alt + 0199	द्	Alt + 0237
ीं	Alt + 0200	च्य	Alt + 0238
िं	Alt + 0201	ड्ड	Alt + 0239
र्ी	Alt + 0202	ठ्ठ	Alt + 0240
द्द	Alt + 0204	स्त्र	Alt + 0243
द्व	Alt + 0205	क्क	Alt + 0244
द्ध	Alt + 0206	ँ	Alt + 0245
ड्ढ	Alt + 0207	द्व	Alt + 0246
कृ	Alt + 0209	द्म	Alt + 0249

SPEED COMPUTER

ऐसे हुई शुरूआत

सत्ता पर यह पकड़ करने में शी कैसे कामयाब हुए? परेड से पहले दो अहम घटनाएं हुई, जिनसे पता चला किसी ने पार्टी पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है और अपने दूसरे पंचवर्षीय कार्यकालय से पहले वे पार्टी में नए नेतृत्व के आकार लेते वक्त खुद को फायदामंद स्थिति में ले आए है. पहला, पीएलए की परेड से दो हफ्ते पहले 15 जुलाई को किसी ने नेतृत्व की अगली पीढ़ी के लोगों में से एक अहम शख्सियत को हटा दिया, माना जा रहा था कि सुन शेंगकाई 2022 में शी की जगह लेने वाले दो पसंदीदा लोगों में से एक होगें. लेकिन ' पार्टी अनुशासन का उल्लधन करने' के लिए उन पर जांच बिठा दी गई. उनकी जगह पोलितब्यूरों में नुमाइंदगी वाली एक अहम नगरपालिका चोंगाकिंग में उन्होनें अपने पुराने शिष्य और अगली पीढ़ी के दूसरे उम्मीदवार, गुइझाउ के पार्टी सचिव चेन मिनर को नियुक्त कर दिया, फिर 19 जुलाई को किसी जिनपींग ने तमाम प्रांतो के पार्टी नेताओं को 19 वी कांग्रेस को लेकर एक ' कार्यशाला ' के लिए बीजिंग बुला लिया.

स्कूल ऑफ ओरिएंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, लंदन में चाइना इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर स्टीव त्सांग कहते है कि इन कदमों के जरिए किसी ने '' एक जबरदस्त संकेत दिया है '' वे बताते है कि सुन का हटाने से पहले पोलितब्यूरों के तीन ही मौजूदा सदस्यों का इस तीरके से हटाया गया था. चाइना इंस्टीट्यूट में चीनी राजनिति के अव्वल विशेषज्ञ बो झियुए कहते है कि, '' अगर आप कई प्रांतों के नेतृत्व में हुए बदलवों को देखे, तो पहले ही मजबूत संकेत दिए जा चुके हैं कि अगले पोलितब्यूरो पर शी जिनपींग की छाप होगी. चोंगकिंग के अलवा दूसरी जगहों पर भी किसी के साथ अपने रिश्तों की वजह से कई नेता अहम ओहदों पर हैं. '' पांच प्रांतीयों इकाइयोः बीजिंग, शंघाई, तिआनजिन, चोंगकिंग और की अगुआई किसी से जुडें लोगों के हाथ में हैं.

पकड़ और भी मजबूत

शी के पहले पांच साल के कार्याकाल की पहचान भ्रष्टचार के खिलाफ जबरदस्त कार्रवाई की उनकी मुहिम थी. इसमें 'बाधों' यानी शीर्ष पदाधिकारियों और ' मक्खियों ' यानी निचले दर्जे के कार्यकर्ताओं का निशाना बनाया गया. इस मुहिम से शी ने अपनें दो मकसद साधें. इसने विरोधी सत्ता केंन्द्रों को नेस्तोनबूद कर दिया और सत्ता तंत्र में अंधाधुंध फैली धूसखोरी के खिलाफ लोगों के गुस्से को एक हद तक शांत करने में कामयाब रहें. नवंबर 2012 के कमान संभालने वक्त शी ने भ्रष्टचार को पार्टी की वैधता के लिए सबसे बड़े ओहदेदार अफसरों का सफाया किया हैं. इनमें सुरक्षा के पूर्व सर्वेसर्वा झाउ योंगकांग, चोंगकिंग में पार्टी के पूर्व बॉस बो शिलाई और पहली बार पीएलए की शीर्ष पंक्ति के दो जनरल शू काइहोउ और गुओ बोक्सिओंग शामिल हैं. इस मुहिम की बदौलत उन्होनें पार्टी पर अपनी पकड़ भी मजबूत कर ली. शी ने 26 जुलाई की अपनी कार्यशाला में कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई ने '' बेहद तेज रफ्तार पकड़ ली है. उन्होनं पार्टी नेतृत्व के प्रति ' पक्के समर्थन ' की मांग की.

अपने पहले कार्यकाल में उन्होनें दो और बड़े सुधारों को अंजाम दिया. पीएलए में जबरदस्त फेरबदल किए, जिसकी बदौलत ज्यादा महकमें अब सीधें शी की अगुआई वाले सेंट्रल मिलिटरी कमिशन के मातहत आ गए है. दूसरे, उन्होने सरकार में ऐसे बदलाव किए जिससे प्रशासनिक शक्तियां पार्टी के हाथों में केंद्रित हो गई और इसकी कीमत सरकार को चुकानी पड़ी, जिसके पास आमतौर पर देखरेख का काम ज्यादा रह गया. इसने उन दो दशकों लंबे बदलाव को उलट दिया जिसमें पार्टी की संस्थाओं की भूमिका की होती जा रही थी.

शी ने यह काम गोपनीयता बरतने वाले ' अगुआ छोटे समूह' (एलएसजी) बनाकर किया , जो अब राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर आर्थिक सुधारों तक हर चीज पर नीति तय करते हैं बीजिंग फॉरन स्टडीज यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर किआओ मु ने पहले दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि कि इस व्यवस्था ने सत्ता को और भी ज्यादा केंद्रीकृत करके और ज्यादा अपारदर्शी बना दिया. यहां तक कि कुछ एलएसजी संगठन के बारे में भी जानकारी नहीं है. पहले आर्थिक सुधार प्रधानमंत्री के मातहत थे जो राज्य परिषद या कैबिनेट का मुखिया होता है, मगर अब फैसले राष्ट्रीयकृत लेते हैं जो अब नीति तय करने वाली सबसे अहम संस्थ बन गई है. साथ ही, रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के लिए बन गई है. मुखिया भी खुद को राष्ट्रपति ही है.

अपुष्ट रिर्पाट कहती है कि शी ने दक्षिण चीन सागर के मामलों की एलएसजी के भी मुखिया हैं, जो बताता है कि किस तरह वे सीधे नीति तय कर रहे हैं.

Total word-744

fQlyu Hkjh jkg

यह तो पहले से तय था कि नोटबंदी की आर्थिक मार देष को झेलनी ही होगी जिसने 8 नवंबर, 2016 के बाद से भारत के वित्तीय तंत्र में से 15.4 लाख करोड़ रु. के बड़े नोटों को निकाल बाहर किया. इसका असर 2016–17 की आखिरी तिमाही की जीडीपी विकास दर में देखने को मिला जिसमें आर्थिक वृद्धि नीचे खिसककर 6.1 फीसदी पर आ गई जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 12.7 फीसदी थी. निर्माण क्षेत्र के आंकड़े ऋणात्मक हो गए. नेटबंदी का सबसे ज्यादा असर असंगटित क्षेत्र पर पड़ा है, जहां भारत के देष के 80 फीसदी कामगारों को रोजगार मिलता है.

मना जा रहा है कि नोटबंदी के बाद मौद्रिक संकट के चलते बिहार के 50,000 से ज्यादा प्रवासी मजदूर गृहराज्य लौट गए हैं. इनमें से ज्यादातर–मजदूर, राजतिस्त्री, साइकिल कारखाने के श्रमिक, टेक्सटाइल मिल के कर्मचारी और आभूशण बनाने वाले–को अपने घर लौट जाने को इसलिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उनके नियोक्ता बैंक निकासी पर लगी बंदिषों के कारण नन्हें भुगतान करने में अक्षम हो गए थे. अर्थषास्त्री गुरचरन दास का अनुमान है कि जीडीपी में प्रत्येक अंक प्रतिषत की गिरावट से 60 लाख रोजगार घटेंगे.

कराबार और आर्थिक डेटा का अध्ययन करने वाले थिंक टैंक सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआइई) ने नोटबंदी के बाद रोजगारों में आई कमी का आंकड़ा पेष किया है. उसका कहना है कि जनवरी से अप्रैन 2017 की बीच करीब 15 लाख रोजगार खत्म हुए हैं. इस अवधि में कुल की संख्या 40.5 करोड़ थी, जबकि सितंबर से दिसंबर 2016 के दौरान यही संख्या 40.65 करोड़ थी. ये अनुमान सीएमआइई के के कंज्यूमर पिरामिड परिवार सर्वेक्षणों के कई दौर के आधार पर निकाले गए हैं जो अखिल भारतीय सर्वे होता है जिसका नमूना आकार 1,61,167 परिवार हैं और जिसके अंतर्गत कुल 5,19,285 प्रौढ़ों को कवर किया गया है. सबसे ताजा सर्वेक्षण जनवरी से अप्रैल 2017 के बीच चार महीनों के दौरान किया गया, जो नेटबंदी के बाद सर्वेक्षण का पहला संपूर्ण दौर था. ये आंकड़े देष भर में मुन राजगारों के हैं जिसमें संगठित और असंगठित क्षेंत्र सहित कृशि और गैर–कृशि क्षेत्र भी षामिल हैं. रोजगारों में यह कमी ऐसे समय में आई, जबकि जनवरी–अप्रैल 2017 के बीच कार्यकाल में 97 लाख का इजाफा हुआ और यह 96 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया. इस दौरान रोजगाररत लोगों की संख्या संकुचित हो गई जो इस बात की ओर इषारा है कि ''राजगारहीन वृद्धि'' की अजीबोगरीब परिघटना को संबोधित करना भारत के लिए किजना जरूरी था.

SPEED COMPUTER EDUCATION,SITAMARHI

पता–सूर्य मंदिर कैम्पस,मथुरा हाई स्कूल रोड,रिंग बाँध,सीतामढ़ी

Alt + 143	ऊ	Alt + 0205	ड्	Alt + 0214	ङ्	Alt + 0228	त्त
Alt + 171	)	Alt + 0206	ड्ड	Alt + 0216	क्र	Alt + 0186	ह्
Alt + 172	(	Alt + 0231	प्र	Alt + 0217	ट्	Alt + 0240	द्व
Alt + 173	ॐ	Alt + 0165	ज्ञ	Alt + 0221	फ्र	Alt + 0244	क्क
Alt + 132	त्त	Alt + 0207	ड्ड	Alt +0184	ट	Alt + 0204	द्द
Alt + 0170	^	Alt+ 0209/0151	कृ	Alt + 0225	ह्म	Alt + 0212	ड्ढ
Alt + 0182	प	Alt + 0211	च्च	Alt + 0226	ह्न	Alt + 0227	ह्य
Alt + 0190	=	Alt +		Alt + 0131	९	Alt + 0150	दृ
Alt + 0222	”	Alt + 0223	“	Alt + 0163	ख	Alt +0179	ङ

☎ 06226295035 📞 09973010239